



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

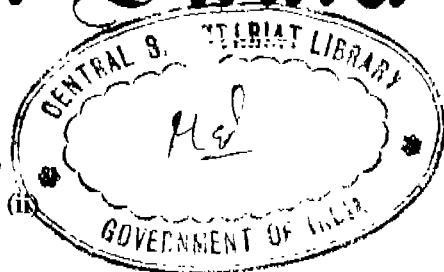
असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित



PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 59]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 31, 2001/माघ 11, 1922

No. 59]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 31, 2001/MAGHA 11, 1922

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 2001

स्टाम्प

का. आ. 87(अ).—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उप-धारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा, उस शुल्क को माफ करती है, जो तमிலनाडु शहरी विकास निधि, चैनई द्वारा जारी किए गए मात्र एक सौ दस करोड़ पांच लाख रुपये के समग्र मूल्य के प्रोमिसरी नोटों के स्वरूप थाले अमुरक्षित विमोच्य अपरिवर्तनीय बंधपत्रों—टीपनयूडीप्फ-प्रोमिसरी नोटों के स्वरूप में वर्णित बंधपत्रों पर उक्त अधिनियम के तहत प्रभार्य है।

[सं 8/2001-स्टाम्प फा० सं० 33/2/2001-खि० क०]
प्रभय त्रिपाठी, निदेशक (विक्री कर)

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 31st January, 2001

STAMPS

S.O. 87(E).—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of promissory notes described as TNUDF - Unsecured Redecemable Non-Convertible Bonds in the nature of promissory notes aggregating to rupees one hundred ten crore and five lakh only issued by Tamilnadu Urban Development Fund Chennai, are chargeable under the said Act

[No. 8/2001-STAMPS F.No. 33/2/2001-ST]
ABHAY TRIPATHI, Director (ST & VIG.)

